कार्यालय, निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर

क्रमांक : शिविरा–माध्य/मा–स/चित्रकला प्रति./2018–23 दिनांक : 01.09.2023

समस्त मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं
पदेन जिला परियोजना समन्वयक,
समग्र शिक्षा।

विषय :– **"विजन 2023"** के सम्बन्ध में निबन्ध प्रतियोगिता के आयोजन बाबत नवीन दिशा–निर्देश।
सन्दर्भ :– इस कार्यालय का समसंख्यक पत्र दिनांक : 23.08.2023

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि इस कार्यालय के पूर्व पत्र दिनांक : 23.08.2023 द्वारा **"मिशन 2030 विकसित राजस्थान"** के तहत दिनांक : 08.09.2023 को सभी राजकीय व गैर–राजकीय विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए प्रातः 9.00 बजे से 10:00 बजे तक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे।

इसी निर्देश पत्र की निरंतरता में यह स्पष्ट किया जाता है कि –

1. मिशन 2030 कार्यक्रम की जानकारी, उद्देश्य एवं हितधारकों की भूमिका को स्पष्ट करने के लिए एक परिचयात्मक दस्तावेज परिशिष्ट–ए पर संलग्न कर भेजा जा रहा है, जिसे शिक्षक एवं संस्था प्रधान स्वयं अध्ययन करेंगे तथा शनिवार दिनांक : 02.09.2023 को **"नो बैग डे"** के दिवस को विद्यार्थियों के साथ प्रार्थना सभा में पृथक से 1 घंटे तक विमर्श कर स्पष्ट करेंगे, जिससे विद्यार्थी दिनांक : 08.09.2023 को अपने निबंध लेखन में अपेक्षानुरूप अभिव्यक्ति दे सकें।

   भागीदार विद्यार्थियों की संख्या अधिलम्ब शाला दर्पण व पीएसपी पोर्टल पर आवश्यक रूप से अंकित की जानी है।

   प्रासंगिक पत्रानुसार भाग लेने वाले संभागियों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा, जो विद्यालय स्तर पर तैयार कराया जाना है, जिसका प्रारूप परिशिष्ट–बी पर संलग्न कर प्रेषित है।

2. इसी कार्यक्रम **"मिशन 2030 विकसित राजस्थान"** के तहत सर्वेक्षण हेतु राजकीय व गैर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों से दिनांक : 08.09.2023 को सर्वे फॉर्म भरवाया जाना है। इस हेतु सर्वे फॉर्म परिशिष्ट 'सी' संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है। उक्त सर्वे फॉर्म की प्रिंटिंग सम्बन्धित विद्यालय स्तर पर की जानी है। इस हेतु आवश्यक बजट का आंवटन जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) द्वारा पृथक से किया जा रहा है।

3. उक्त क्रम में पुनः स्पष्ट किया जाता है कि दिनांक : 08 सितम्बर, 2023 को सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में निम्न दो गतिविधियाँ सम्पादित होनी हैं :–

   I. निबन्ध लेखन।
   II. सर्वेक्षण।

   निबन्ध लेखन में कक्षा 9–12 के विद्यार्थी जो रुचि रखते है वो भाग लेंगे तथा सर्वेक्षण में कक्षा 9–12 के उस दिवस को विद्यालय में उपस्थित इन कक्षाओं के सभी विद्यार्थियों द्वारा किया जाना है।

4. संलग्न सर्वे फॉर्म की प्रतियां विद्यालय अपने स्तर पर भाग लेने वाले संभागियों की संख्या अनुरूप करवाएंगे। भरे हुए सर्वे फॉर्म विद्यालय अपने पास सुरक्षित रखेंगे, इसके संबंध में आगामी कार्रवाई हेतु पृथक से निर्देश मिलने पर तदनुसार कार्यवाही करेंगे।

संलग्नित दस्तावेज : **01. परिशिष्ट–ए : परिचयात्मक संक्षिप्त दस्तावेज।**
02 परिशिष्ट–बी : प्रतिभागियों को दिये जाने वाला प्रमाण–पत्र।
03 परिशिष्ट–सी : सर्वे फॉर्म।

(काना राम)
आइ.ए.एस.
निदेशक
माध्यमिक शिक्षा राजस्थान
बीकानेर

Rajasthan Education Department

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :--

1. निजी सचिव, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, जयपुर।
2. संयुक्त शासन सचिव, शिक्षा (ग्रुप–6) विभाग, जयपुर।
3. समस्त संभागीय संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा को समुचित पर्यवेक्षण एवं प्रभावी प्रबोधन हेतु।
4. सिस्टम एनालिस्ट, कम्प्यूटर अनुभाग, कार्यालय हाजा को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करवाने बाबत।
5. उपनिदेशक, शाला दर्पण प्रकोष्ठ, जयपुर को उक्तानुसार मॉड्यूल निर्माण करने सम्बन्धी कार्यवाही हेतु।
6. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय)–माध्यमिक/प्रारम्भिक को पालनार्थ।
7. सहायक निदेशक, योजना अनुभाग, कार्यालय हाजा।
8. समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं पदेन ब्लॉक संदर्भ केन्द्र प्रभारी, समग्र शिक्षा।
9. रक्षित पत्रावली।

निदेशक
माध्यमिक शिक्षा राजस्थान
बीकानेर

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

परिशिष्ट 'ए'

विकसित राजस्थान 2030 : एक स्वप्निल परिदृश्य

राजस्थान अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, अदम्य शौर्य परंपरा, रंग–बिरंगी लोक संस्कृति और व्यापारिक संपन्नता के लिए विश्व–भर में विख्यात रहा है। स्वातंत्र्योत्तर कालखंड में प्रतिकूल भौगोलिक परिस्थितियों एवं विस्तृत भू–भाग की चुनौतियों पर लगातर संघर्ष द्वारा सकारात्मक परिवर्तन के प्रयास हुए है। जिसका सुपरिणाम थार के मरूस्थल में लहलहाती फसल को देखकर स्वतः ही हो जाता है। राजस्थान ने आजादी के इन 75 वर्षों में आमजन के हितार्थ सुशासन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर राज्य को राष्ट्रीय परिदृश्य मे सदैव अग्रणी रखा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और आधारभूत संरचना जैसे प्रत्येक क्षेत्र में राजस्थान प्रभावी योजनाओं के साथ सतत् संपोषणीय विकास को बढ़ावा दे रहा है। गत दशकों में राज्य में काफी प्रगति हुई है इंदिरा गांधी नहर परियोजना से मरुस्थलीय क्षेत्र तक जल की पहुँच होने से सिंचाई सुविधा सुनिश्चित हो सकी जिससे राज्य के इन क्षेत्रों में कृषि पैदावार में बढ़ोतरी हुई तथा किसानों का जीवन स्तर सुधरा।

राज्य में खनिजों के व्यापक भंडार हैं जिससे राज्य में खनन एवं प्रक्रिया आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिला है। बाड़मेर में पेट्रोलियम रिफाइनरी का कार्य प्रगति पर है इसमें तेल उत्पादन प्रारंभ होते ही राज्य की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी साथ ही पेट्रोकेमिकल आधारित कई उद्योग स्थापित हो सकेंगे तथा रोजगार के नवीन अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

जनकल्याणकारी योजनाओं की क्रियान्विति में राजस्थान एक मॉडल राज्य है। इस क्रम में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचार "नो बैग डे" 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम,

Rajasthan Education Department

निःशुल्क यूनीफार्म, बाल गोपाल दुध योजना, फ्यूचल डायल कार्यक्रम, स्वास्थ्य क्षेत्र में चिरंजीवी योजना, निःशुल्क दवाई एवं जाँच योजना, आदि कार्यक्रम उल्लेखनीय है। देश में पहली बार स्वास्थ्य का अधिकार (राइट टू हेल्थ), न्यूनतम आमदनी की गारंटी, महँगाई राहत शिविर, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की स्थापना, स्मार्टफोन योजना, गिग वर्कर्स वेलफेयर फंड की स्थापना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित अन्य योजनाओं से आमजन को राहत मिली है।

राजीव गांधी ग्रामीण खेल ओलंपिक एवं शहरी खेल ओलंपिक का सफल आयोजन कर खेल प्रतिभाओं को पहचान कर तराशने के अवसर प्राप्त हुए हैं। युवा महोत्सव के आयोजन के माध्यम से संगीत, नृत्य, वादन, नाटक, लोक कलाएं आदि की प्रतिभाओं को पहचान कर सम्मानित किया गया है।

इन सब प्रयासों के बावजूद विस्तृत भू–भाग एवं दुर्गम क्षेत्र, ग्रामीण साक्षरता की आशानुकूल प्रगति न होना, रोजगार की कमी, व्यवसाय के लिए अन्य राज्यों में पलायन आदि वे प्रमुख चुनौतियाँ है जिनकी वजह से राजस्थान विकसित राज्यों की श्रेणी में अब तक सम्मिलित नहीं हो पाया है। सरकार स्तर पर प्रभावी योजना निर्माण, क्रियान्विति एवं प्रबंधन के फलस्वरूप हमने उल्लेखनीय उन्नति तो की है लेकिन अभी भी बहुत सारे ऐसे अछूते क्षेत्र हैं जिन पर बहुत कार्य किया जाना शेष है। राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख विकसित राज्यों में अग्रणीय बनाने के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय की दूरदर्शी सोच के आधार पर विकसित राजस्थान–2030 लागू किया जा रहा है। यह कार्यक्रम राज्य के 2030 के परिदृश्य की आशाओं और अपेक्षाओं पर निर्मित किया जा रहा है। हम 2030 तक के बदले हुए राजस्थान में

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

क्या देखते हैं ? क्या देखना चाहते है ? तथा 2030 में हमारे सपनों का राजस्थान कैसा होगा ? यह इस कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त करने का मुख्य लक्ष्य है।

राजस्थान मिशन 2030 के लिए सरकार द्वारा प्रमुख प्रस्तावित गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं–

- राजस्थान मिशन 2030 के लिए वेबसाइट तैयार (mission2030.rajasthan.gov.in) कर नागरिको से ऑनलाइन अपेक्षाएँ, विचार, सुझाव प्राप्त किये जा रहे है।
- विभिन्न विभागो द्वारा संबंधित हितधारकों के साथ दिनांक 23 अगस्त से 15 सितम्बर तक गहन परामर्श कर सुझाव आमंत्रित किये जा रहे हैं।
- दिनांक 1 से 15 सितम्बर तक निम्नलिखित दो माध्यमों से मिशन 2030 फेस टू फेस सर्वे किया जा रहा है।
  1. जनकल्याण ऐप के सर्वे ऑप्शन के माध्यम से।
  2. फीडबैक का physical format भरवाकर।
- प्रमुख चयनित सार्वजनिक स्थानों पर QR Code भी लगाए जा रहे हैं, जिन्हें स्कैन करके नागरिकों से सुझाव प्राप्त किये जा रहे हैं।
- राज्य के समस्त सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों (9^{th} Class and above) एवं कॉलेजों (सभी विश्वविद्यालयों के संघठक कॉलेजों सहित) में **"2030 में कैसा होगा मेरा राजस्थान"** विषय पर लेख व भाषण प्रतियोगिताएँ आयोजित कर मिशन 2030 के संबंध में वातावरण निर्माण किया जा रहा है।

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

- माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा राजस्थान मिशन 2030 के संदर्भ में विभिन्न हितधारकों/प्रभावशाली समूहों के साथ संवाद कर सुझाव, विचार प्राप्त किये जा रहे हैं।
- मिशन 2030 हेतु वे ग्रामीण क्षेत्र जिनमें फेस टू फेस सर्वे किया जाना कठिन है के लिए आईवीआर सर्वे के द्वारा सुझाव प्राप्त करने हेतु दिनांक 01.09.2023 से 15.09.2023 तक लगभग 50 लाख कॉल्स किया जाना प्रस्तावित है।
- प्रत्येक विभाग द्वारा अपना विभागीय मिशन 2030 तैयार किया जा रहा है।
- उपर्युक्त सभी हितधारकों से प्राप्त सुझावों और विचारों के आधार पर CMRETAC विजन–2030 को अन्तिम रूप देगा समीक्षा पश्चात 30 सितम्बर 2023 को विजन– 2030 दस्तावेज जारी किया जाना प्रस्तावित है।

राजस्थान सरकार द्वारा राज्य की जनता को उत्कृष्ट जीवन एवं सतत् विकास उपलब्ध करवाने के लक्ष्य को लेकर राजस्थान मिशन–2030 के लिए समावेशी एवं प्रभावी विजन डॉक्यूमेंट का निर्माण किया जा रहा है। इस डॉक्यूमेंट का मूल उद्देश्य प्रदेशवासियों के चहुँमुखी विकास, खुशहाली, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ 2030 तक राज्य को देश का अग्रणी राज्य बनाना है। इस संदर्भ में राज्य के समस्त नागरिकों से यह अपेक्षा है कि उपर वर्णित विकल्पों में से किसी का भी चयन कर अपने सुझाव प्रदान करें कि वर्ष 2030 तक राजस्थान को कैसे नंबर 1 राज्य बनाया जा सकता है।

यह विजन डाक्यूमेंट 2030 तक राजस्थान को सुरक्षित, समृद्ध और विकसित बनाने का स्वर्णिम दस्तावेज होगा। यह डाक्यूमेंट 2030 के राजस्थान के परिदृश्य के संदर्भ मे हमे सजीव

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

चिंतन का अवसर प्रदान करने के साथ इसमें निर्धारित प्रतिमानों को प्राप्त करने की समझ विकसित करेगा।

2030 में हमारे राज्य का परिदृश्य ऐसा होगा

- राज्य में शिक्षा रोजगारोन्मुखी एवं गुणवत्तापूर्ण होगी।
- राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रसार एवं व्यापक उपयोग राज्य के नागरिकों के द्वारा होता देख सकेंगे।
- औद्योगिक विकास हेतु आधारभूत अवसंरचना का निर्माण पूर्ण रूप से हो चुका होगा।
- शुद्ध पेयजल एवं बिजली की संपूर्ण राज्य में निश्चित उपलब्धता हो सकेगी।
- महिला एवं बालिका सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे व्यापक उपाय का असर राज्य के सामाजिक ढाँचे में देख सकेंगे।
- राइट टू हेल्थ (RTH) का प्रभावी क्रियान्वयन राज्य में होता देख सकेंगे राज्य के समस्त जिलों में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज एवं मल्टीस्पेशलिटी सरकारी अस्पताल समस्त आवश्यक संसाधनों से युक्त बन सकेंगे। निशुल्क चिकित्सा राज्य के समस्त नागरिकों को मिलती देख सकेंगे।
- राज्य में उच्च स्तरीय शैक्षिक संस्थानो की स्थापना हो सकेगी जिसमें राज्य के युवा विश्व स्तरीय शिक्षा प्राप्त कर अपने कौशल का प्रदर्शन कर राज्य को विकसित श्रेणी में लाने का प्रयास करते हुए दिखाई देंगे।

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

- राज्य में खेलों को प्रोत्साहन दिया जाएगा तथा हर ब्लॉक स्तर पर पर्याप्त खेल मैदान व सुविधा विकसित हो सकेगी परिणामतः विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का राज्य में निर्माण हो सकेगा।
- विज्ञान एवं तकनीकी को बढ़ावा देने के लिए उच्च स्तरीय विज्ञान एवं तकनीकी संस्थान जैसे इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस आदि की स्थापना करते हुए राज्य इन क्षेत्रों में भी अग्रणी होगा।
- राज्य के समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात के पर्याप्त साधन की उपलब्धता होते देख सकेंगे।
- सभी पंचायत पर कम से कम एक स्कूल मल्टी फैकेल्टी होगा तथा सभी स्कूल पर्याप्त भौतिक तथा मानवीय संसाधनों से युक्त होंगे हो सकेंगे। जिला स्तर पर न्यूनतम एक स्कूल सेंटर आफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित हो सकेगा।
- इजरायल की तर्ज पर कृषि क्षेत्र में विकास के लिए राज्य में रिसर्च एंड डेवलपमेंट को बढ़ावा देकर कृषि क्षेत्र को अधिक लाभदायक बनाने का प्रयास होता देख सकेंगे।
- Ease To Business State के रूप में राजस्थान राज्य को विकसित होता देख सकेंगे जिसमें नागरिकों द्वारा व्यापार संचालन एवं प्रारंभ करने की प्रक्रिया सुगमता से हो सके ऐसा वातावरण बन सकेगा।
- औद्योगिक विकास के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के उद्योगों को बढ़ावा देते हुए देख सकेंगे ।

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

- राज्य की समृद्धि ऐतिहासिक धार्मिक एवं भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा तथा नए पर्यटन सर्किटों का विकास होते देख सकेंगे।
- वन क्षेत्र का विकास कर राज्य में पर्यावरण संरक्षण कार्य को गति मिल सकेगी तथा हमारे नागरिक जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर संवेदनशील होंगे और प्रतिबद्ध होंगे।
- .परिपक्व लोकतंत्र के विकास में राज्य के नागरिक सभ्य एवं संवेदनशील रूप में प्रतिबद्ध होंगे।

यह डाक्यूमेंट मात्र एक डाक्यूमेंट न होकर जनाकांक्षाओं का जीवंत प्रतिबिंब होगा। यह डाक्यूमेंट निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में हमें प्रेरित करने के साथ दिशाबोध भी करेगा।

विज़न डाक्यूमेंट 2030 राजस्थान के गौरवशाली अतीत, सामाजिक–सांस्कृतिक मूल्यों की सुदृढ़ शृंखला एवं भविष्य के तकनीकी रूप से उत्कृष्ट नवाचारी राजस्थान में समन्वय, संतुलन एवं सामंजस्य करने वाला होगा।

हमारी यह परिकल्पना है कि –

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

''2030 का हमारा सपना–सुरक्षित, समृद्ध राजस्थान अपना''

''सन् 2030 : राजस्थान बनेगा सबमें इक्कीस''

''2030 में बढ़ेगा स्वाभिमान– विकसित होगा हमारा राजस्थान''

विद्यालय का नाम --

प्रमाण पत्र

निबंध लेखन प्रतियोगिता

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री .... पुत्र/पुत्री .... को .... विद्यालय में विषय "2030 में कैसा होगा मेरा राजस्थान" पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में सहभागिता का प्रमाण पत्र दिया जाता है। विद्यालय आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

Date:
__/__/2023

Name__________
Principal

Rajasthan Education Department
Rajasthan 2030

परिशिष्ट - 'सी'

राजस्थान मिशन–2030

(विकसित राजस्थान–2030)

विद्यालयों से सर्वे हेतु प्रपत्र (कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिये)

प्र.सं. 1. हमारे राज्य में कुल कितने जिले है?

(अ) 33 (ब) 36 (स) 50 (द) 52

प्र.सं. 2. राजस्थान में कौनसी पर्वत श्रृंखला है?

(अ) सतपुड़ा (ब) अरावली (स) हिमालय (द) चम्बल

प्र.सं. 3. राजस्थान दिवस कब मनाया जाता है?

(अ) 2 अक्टूबर (ब) 30 मार्च (स) 30 जनवरी (द) 30 नवम्बर

प्र.सं. 4. शिक्षक दिवस कब मनाया जाता है?

(अ) 5 मई (ब) 5 सितम्बर (स) 5 दिसम्बर (द) 15 सितम्बर

प्र.सं. 5. राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए भारत में स्थान रखता है?

(अ) द्वितीय (ब) तृतीय (स) प्रथम (द) चतुर्थ

प्र.सं. 6. राजस्थान राज्य के मुख्यमंत्री का नाम क्या है?

(अ) माननीया वसुन्धरा राजे (ब) माननीय अशोक चांदना

(स) माननीय अशोक गहलोत (द) इनमें से कोई नहीं

प्र.सं. 7. आपके विद्यालय में निम्न में से कौनसी प्रोत्साहन योजना संचालित है?

(अ) निःशुल्क पाठ्यपुस्तक (ब) मिड–डे–मील योजना

(स) बाल गोपाल दूग्ध योजना (द) उपरोक्त सभी

प्र.सं. 8. वर्तमान में निम्न में से राजस्थान में कौन–कौन सी योजनाएँ संचालित हैं?

(अ) चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना (ब) इन्दिरा रसोई योजना

(स) मुख्यमंत्री डिजिटल सेवा योजना (द) उपरोक्त सभी

प्र.सं. 9. आपके विद्यालय में "नो बैग डे" किस दिवस को होता है?

(अ) सोमवार (ब) बुधवार (स) शुक्रवार (द) शनिवार

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

प्र.सं. 10. वर्ष 2030 यानि की आज से 7 वर्ष बाद आपके विद्यालय में कौन–कौन सी सुविधाएँ होनी चाहिए, आप 3 विकल्प चुन सकते हैं–

☐ टी.वी. के माध्यम से कक्षायें। ☐ कम्प्यूटर की अनिवार्य पढ़ाई।

☐ घर से कक्षा लेने की सुविधा। ☐ कार्यक्रम के लिए रंगमंच।

☐ प्रत्येक विद्यार्थी के पास टेबलेट। ☐ रूचि के अनुसार विषय की उपलब्धता।

☐ मूलभूत सुविधाए व आधारभूत संरचना सम्पूर्ण।

प्र.सं. 11. विद्यालय में आप सबसे पहले किस प्रकार की समस्या का समाधान चाहते है?

.....

.....

प्र.सं. 12. यदि आपको जीवन में अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने का मौका मिले, तो क्या आप अंग्रेजी माध्यम से पढ़ना पसन्द करेंगे?

☐ हॉ ☐ नहीं

प्र.सं. 13. क्या विद्यालय में बच्चों के लिए बोलचाल की भाषा में कक्षा 1 से 5 की पढ़ाई शुरू होनी चाहिए–

☐ हॉ ☐ नहीं

प्र.सं. 14. वर्ष 2030 यानि आज से 7 वर्ष बाद आप राजस्थान को भारत में विकास की स्थिति में कौन से स्थान पर देखना चाहतें है एवं इस स्थान पर पहुँचने के लिए आपके अनुसार स्कूली शिक्षा में कौनसे 02 परिवर्तन आवश्यक है?

.....

(1).....

(2).....

प्र.सं. 15. आप अपनी पढ़ाई पूर्ण करने के बाद जीवन में क्या बनना चाहते है?

☐ डॉक्टर ☐ इंजीनियर ☐ सेना

☐ अध्यापक ☐ अन्य सरकारी नौकरी ☐ स्वयं का व्यवसाय

☐ प्राइवेट कम्पनी/सेक्टर नौकरी ☐ अन्य कोई .....(नाम लिखे)

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते